सागवाडा लाईव न्यूज़

सुचना-

विज्ञापन, खबरों के लिए या हमारे साथ जुडने के लिए वाट्सएप पर संपर्क करें- , 8209335497
हमें निष्पक्ष पत्रकारिता में रुचि रखने वाले युवाओं की आवश्यकता है।

डिजिटल अंक | Dungarpur, Banswara, Udaipur, Kota, Salumber, Chittor, pratapgarh

सागवाड़ा से प्रकाशित | Pages 02 | RNI- RAJHIN/25/A1329 | www.vagadlive.in | Editor- Jitendra singh chouhan

6 अक्टूबर 2025 सोमवार | ● वर्ष - ९ | ● अंक २६ | ● पृष्ठ ०२ | ● मूल्य - निशुल्क | ● www.vagadlive.in

संगठित हिंदू समाज से बनेगा समर्थ भारत : धनराज जी भाईसाहब, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बनकोड़ा मंडल का पथ संचलन संपन्न

बनकोड़ा/ सागवाड़ा लाईव न्यूज़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बनकोड़ा मंडल द्वारा भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रांत धर्म जागरण प्रमुख धनराज जी भाईसाहब मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मुख्य अतिथि केशवलाल परमार एवं जिला कार्यवाह राजेंद्र चौबीसा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।संचलन का प्रारंभ विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय से घोष की मधुर धुन पर हुआ, जो राम मंदिर, होली चौक, गणपति मंदिर, मुख्य बाजार, जैन मंदिर, चिकित्सालय मार्ग, बस स्टैंड, लखारवाड़ा घाटी मोहल्ला और ब्रह्मपुरी मार्ग से होता हुआ विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय पर संपन्न हुआ। मार्ग में जगह-जगह पर मातृशक्ति एवं नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया गया। पूर्ण गणवेश धारी स्वयंसेवकों की अनुशासित टुकड़ियों ने शहर में अनुशासन और देशभक्ति का अद्भुत संदेश दिया। मुख्य वक्ता धनराज जी भाईसाहब ने अपने पाथेय में कहा कि “संघ की शाखाएं व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार हैं। स्वयंसेवकों का दायित्व है कि वे हर घर तक जाकर सेवा और संस्कार का संदेश पहुंचाएं। आज देश को जाति, भाषा, वेशभूषा और मतों में बांटने का षड्यंत्र रचा जा रहा है — ऐसे में हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करना होगा।”उन्होंने आगे कहा कि संघ की स्थापना से लेकर आज तक के 100 वर्षों की संघर्षगाथा समाज के समर्पण और संगठन के बल की प्रतीक है। शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी से आत्मनिर्भरता और नागरिक शिष्टाचार जैसे पंच परिवर्तन के माध्यम से जागृत हिंदू समाज ही समर्थ भारत का निर्माण करेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, मातृशक्ति और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। पथ संचलन का समापन राष्ट्रगान और भारत माता की जय के उद्घोष के साथ हुआ।

कालीघाटी फला के लोग अंतिम संस्कार के लिए भी जुगाड़ लगा रहे — मोक्षधाम तक नहीं पहुंच रहा रास्ता, सरकार और पंचायत पर उठे सवाल

सागवाड़ा लाईव न्यूज़ (डूंगरपुर)। विकास के दावे करने वाली सरकार और ग्राम पंचायतों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सागवाड़ा उपखंड की गोवाड़ी ग्राम पंचायत के पंचवटी कालीघाटी फला के लोग आज भी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। यहाँ के ग्रामीणों को मोक्षधाम तक जाने के लिए रास्ता तक नहीं मिला, जिसके चलते अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील स्थिति में भी उन्हें जुगाड़ का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण कमलेश आहारी ने बताया कि इस समस्या को कई बार पंचायत के समक्ष रखा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिणामस्वरूप, जब किसी की मृत्यु हो जाती है तो लकड़ी या शव को ले जाने के लिए रास्ता तक नहीं होता, और लोगों को कीचड़, पथरीले रास्तों और खेतों से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, शव यात्रा निकालना तो दूर, मोक्षधाम तक पहुंचना भी असंभव हो जाता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि कालीघाटी फला से मोक्षधाम तक पक्का मार्ग का निर्माण किया जाए, ताकि अंतिम संस्कार के समय ग्रामीणों को सम्मानजनक और सहज मार्ग मिल सके। ग्रामीणों का सवाल है —"जब विकास योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं, तो क्या एक रास्ता बनवाना भी इतना मुश्किल है?" यह तस्वीर स्थानीय शासन और पंचायत व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर करती है, जहाँ विकास के वादों के बीच आमजन आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है।

टोलकिया औदीच्य ब्राह्मण समाज का शारदिय गरबारास उत्सव बेणेश्वर धाम में संपन्न,

मां गायत्री मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास से गूंजा वातावरण

● **सागवाड़ा लाईव न्यूज़** बेणेश्वर। टोलकिया औदीच्य ब्राह्मण समाज द्वारा शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां गायत्री मंदिर परिसर, बेणेश्वर धाम में गरबा रास का भव्य आयोजन किया गया। समाज अध्यक्ष नारायणलाल जोशी (गनोडा) ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गरबा रास उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें समाज की महिलाओं ने विशेष रूप से बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटिंग और सजावट से आकर्षक रूप से सुसज्जित किया गया था। देर रात तक गरबा रास के पारंपरिक गीतों पर महिलाएं और युवतियां झूमती रहीं। कार्यक्रम के बाद मां गायत्री की महाआरती का लाभ उमेश जोशी (गनोडा) ने लिया, जबकि महाप्रसाद का लाभ विश्वनाथ पंड्या (जेठाना) ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के भामाशाहों को अपर्णा के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संरक्षक रमेश भट्ट (पुनाली), लीलाराम पंड्या, भावेश जोशी, मुकेश जोशी, सुनील जोशी, सुरेंद्र जोशी, गिरीश भट्ट, दक्षेश जोशी, भूपेंद्र भट्ट, नारायणलाल जोशी, अरुण भट्ट (तालौरा), नरेंद्र भगत, सुरेश जोशी, नवनीत भट्ट, नरेंद्र जोशी, मकचरू भाई जोशी (तलवाड़ा), विष्णु जोशी (तलवाड़ा), उमियाशंकर जोशी (सुंदरपुर), कृपाशंकर जोशी (सरेडी बड़ी), कांतिलाल पंड्या (कुपड़ा), रमेश जोशी (कुपड़ा) सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र भट्ट (शेषपुर) ने सधे हुए शब्दों में किया। आयोजन के अंत में समाजजनों ने एकता और सद्भाव के संदेश के साथ मां गायत्री के जयघोष लगाए। मां गायत्री की आराधना, समाज की एकता और परंपराओं के संगम से सजा शरद पूर्णिमा का यह गरबा रास, समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बना।

पुष्करणा समाज गिर्वा परिषद की बैठक कानपुर गांव में संपन्न

उदयपुर, सागवाड़ा लाईव न्यूज़/ पुष्करणा समाज के गिर्वा परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को ग्राम कानपुर स्थित हनुमानजी मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक में मटून, कानपुर, लकड़वास, बेडवास, कलडवास, सवीना, मदार, सुखेर, मेरा का गुड़ा, ठिकली, डबोक, ओडी सहित 12 गांवों के पंच, पटेल, समाज के मुख्यजन और वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में समाज में फैली कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों पर गहन चर्चा की गई। प्रमुख मुद्दे के रूप में मृत्यु भोज के दौरान प्रचलित “लेण प्रथा” को समाप्त करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। समाज के सभी पंच-पटेल और प्रमुखों ने इसे पूर्ण रूप से बंद करने का सर्वसम्मत निर्णय लिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि खान-पान, संस्कार और सभी धार्मिक रीति-रिवाज ब्राह्मण धर्मानुसार ही संपन्न किए जाएं।जनेऊ संस्कार बच्चों को 16 वर्ष की आयु में ही दिया जाएगा।मृत्यु भोज सादगीपूर्ण रहेगा तथा पेरावनी प्रथा भी समाप्त की जाएगी।समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।बाल विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।पर्यावरण संरक्षण के लिए “पर्यावरण बचाओ अभियान” चलाया जाएगा ताकि वनस्पति और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखा जा सके। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि अब समय आ गया है जब पारंपरिक कुरीतियों को समाप्त कर नई पीढ़ी को संस्कारित, शिक्षित और जागरूक समाज का मार्ग दिखाया जाए।बैठक के अंत में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने समाज में एकता, सादगी और संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विश्व हिंदू परिषद द्वारा सागवाड़ा में हुआ कन्या पूजन एवं शस्त्र पूजन समारोह

मातृशक्ति के सम्मान और धर्म रक्षा का संदेश गूंजा नगर में

सागवाड़ा लाईव न्यूज़। नवरात्रि के पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद (VHP) द्वारा शनिवार को नगर में कन्या पूजन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर मंत्री निखिल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन के मुख्य अतिथि श्री कमलेश जी शास्त्री ने माताजी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात शास्त्री जी ने विधि-विधान से शस्त्र पूजन एवं कन्या पूजन किया। इस दौरान सेविका समिति की बहनों ने पूजन कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार एवं प्रसाद प्रदान किया गया। कन्या पूजन के बाद शास्त्री जी ने बौद्धिक सत्र में कहा कि “कन्या पूजन भारतीय संस्कृति का सार है। मातृशक्ति की पूजा से ही समाज की शक्ति और संस्कृति जीवित रहती है। शस्त्र पूजन से धर्म की रक्षा का संकल्प जागृत होता है।” कार्यक्रम में कमलेश्वरी दीदी, आशीष शर्मा, कन्याल पंचाल, रणछोड़ भाई भाटिया और हँसमुख भावसार ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रसाद व्यवस्था जय गणेश मित्र मंडल द्वारा की गई, जिन्होंने सहयोगपूर्वक वितरण कार्य भी संभाला। मंच व्यवस्था और संचालन में नगर की मातृशक्ति एवं स्वयं सेविका समिति का विशेष योगदान रहा। भावसार समाज द्वारा कार्यक्रम स्थल उपलब्ध करवाने के लिए परिषद की ओर से विशेष धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रवि प्रतापजी पारगी, जिला उपाध्यक्ष सुभाष जी भट्ट, जिला मंत्री आशिष जी पटेल, सह जिला मंत्री अनुराग जी रावल, जिला कोषाध्यक्ष दिलीप जी पंड्या, जिला मातृशक्ति संयोजिका सुनीता दीदी, तथा दुर्गावाहिनी जिला संयोजिका हंसिका दीदी सहित सेविका समिति की बहनों और नगर कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन मातृशक्ति वंदन और जय श्रीराम के जयघोषों के साथ हुआ। कार्यक्रम में माताजी की आरती करते हुए अतिथिगण और कन्या पूजन में भाग लेती मातृशक्ति।

रोकड़िया हनुमानजी मंदिर में हुआ श्रीरामायण मनका 108 का 94वां पाठ संपन्न

प्रतापगढ़। सागवाड़ा लाईव न्यूज़/ भक्ति और भजन की रसधारा में सराबोर रोकड़िया हनुमानजी मंदिर परिसर में श्रीरामायण मनका 108 का 94वां पाठ श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सागवाड़ा से श्रीरामेश्वर भक्त मंडल के 61 रामभक्तों का जत्था शनिवार दोपहर रवाना होकर मंदिर प्रांगण पहुंचा।कार्यक्रम का शुभारंभ नयन भोई के दीप मंत्रोच्चार से हुआ, जिसमें यजमान राजेश भोई और अशोक भोई ने प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना कर पुष्पमाला अर्पित की। मंडल के मुख्य संरक्षक संत उदयराम महाराज ने दीप प्रज्वलित कर पाठ का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चिराग भोई ने गुरु वंदना, भूपेन असावरा ने सरस्वती वंदना तथा मयंक भोई ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात मयंक भोई ने हनुमानजी का आव्हान कर पाठ आरंभ कराया।रोचक चौपाइयों का गायन रोनक असावरा, अजय भोई, नरेश सेवक, जय, निशा, भावना, तमन्ना, रेखा, पिंकी भोई, शोभा अहारी और प्रिंसी चौबीसा ने किया। हनुमान चालीसा का पाठ विस्मय, भव्य और राजेश भोई द्वारा किया गया।भजन मंडली में रघुवीर ने ढोलक, दिव्यराज, सार्थक आचार्य, आयुष राठौड़, चिराग सोमपुरा, राकेश भावसार ने मंजीरे और प्रीतम भोई ने प्यानो से सुंदर संगत दी। राजेश भोई ने “हे दुःख भंजन मारुति नंदन...” और मुकेश भोई ने “राम कहानी सुनो रे राम कहानी...” जैसे भजनों से भक्तों को भावविभोर कर दिया। पूरा वातावरण “जय श्रीराम” और “जय बजरंगबली” के जयघोषों से गूंज उठा। संत उदयरामजी ने कहा “जब मनुष्य क्रोध और ईर्ष्या को त्यागकर सच्चे भाव से ‘राम नाम’ की माला जपता है, तभी भक्ति का सच्चा फल मिलता है। दिखावे की पूजा-पाठ का कोई अर्थ नहीं।” समाज के पूर्व अध्यक्ष लालशंकर भोई ने कहा कि श्रीरामेश्वर भक्त मंडल धर्म की ध्वजा को ऊँचाइयों तक पहुंचाने में निरंतर अग्रसर है। कार्यक्रम का संचालन जय भोई ने करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुरेश सुथार, लक्ष्मीनारायण सुथार, दिलीप भोई, हीरालाल सुथार, चंदुलाल, लक्ष्मी, सलोनी, बसंती, रेखा, पुष्पा, सुमित्रा, नैना चौबीसा, पूजा आचार्य, आराध्या, मंदाकिनी, अनिता, संध्या भोई, कचरी, नानी बाई, मगु बाई, जोशना सुथार, शांता देवी सुथार सहित सर्व समाज के अनेक भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जहां श्रद्धालु राम नाम के भावों में लीन होकर ‘जय श्रीराम’ के नारे लगाते रहे।

अस्त्र-शस्त्र पूजन और अनुशासित पथ संचलन से गूंजा कस्बा

धंबोला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयदशमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया

सागवाड़ा लाईव न्यूज़/ गुणवंत कलाल/ चौरासी (डूंगरपुर)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को धंबोला कस्बे में विजयदशमी उत्सव बड़े हर्षोल्लास और पारंपरिक अनुशासन के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अस्त्र-शस्त्र पूजन के साथ हुआ, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित पथ संचलन करते हुए देशभक्ति और संगठन की भावना का परिचय दिया। आयोजन स्थानीय शाखा धंबोला के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक विष्णु जी, अध्यक्ष कन्हैयालाल पंड्या, तथा सीमलवाड़ा खंड चालक किरीट पंड्या विशिष्ट रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश पंड्या, स्वागत उद्बोधन शाखा प्रमुख ललित पंड्या ने किया। मुख्य वक्ता विष्णु जी ने कहा “राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, चरित्र निर्माण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य करना है। प्रत्येक स्वयंसेवक का जीवन ‘राष्ट्र प्रथम’ के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए।” उन्होंने बताया कि संघ की स्थापना 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा नागपुर में की गई थी, और तब से संघ समाज जीवन के हर क्षेत्र में सेवा, संगठन और संस्कारों के माध्यम से राष्ट्र के उत्थान का कार्य कर रहा है।उन्होंने शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रत्येक स्वयंसेवक से आह्वान किया कि “एक स्वयंसेवक, एक संकल्प” लेकर समाजसेवा में जुटें और स्वदेशी व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। अस्त्र-शस्त्र पूजन के दौरान स्वयंसेवकों ने पारंपरिक विधि से शस्त्रों की आरती की और “भारत माता की जय” तथा “वंदे मातरम्” के जयघोषों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों का पथ संचलन कस्बे के मुख्य मार्गों से निकाला गया, जिसमें सैकड़ों स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हुए। नगरवासियों ने मार्ग में पुष्प वर्षा कर संघ संचलन का स्वागत किया। संघ पदाधिकारियों का संदेश संघ पदाधिकारियों ने कहा “संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक राष्ट्र प्रथम की भावना लेकर समाज में कार्य करता है। संघ किसी व्यक्ति, जाति या वर्ग के लिए नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए समर्पित संगठन है।” प्रार्थना चेतन पंड्या ने कराई, जबकि अतिथियों का परिचय दिनेश

भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया ही समाज का आईना — अनिल सक्सेना 'ललकार'

डूंगरपुर/ सागवाड़ा लाईव न्यूज़। 21वीं सदी के राजस्थान साहित्यिक आंदोलन की श्रृंखला के अंतर्गत राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के बैनर तले रविवार को डूंगरपुर के होटल लेक व्यू (ए यूनिट ऑफ रिवर व्यू रिज़ॉर्ट) में "भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया" विषय पर राष्ट्रीय साहित्य-मीडिया बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी आयोजन की अध्यक्षता साहित्यिक आंदोलन के संस्थापक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार अनिल सक्सेना 'ललकार' ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश श्रीमाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कविवर दिनेश पंचाल 'पंछी', प्रतिज्ञा भट्ट, उपेन्द्र अणु और अनिल पटेल मंचासीन रहे। स्वागत उद्बोधन में भूपेंद्र गामोट ने सभी साहित्यकारों एवं मंच की उपस्थिति का अभिनंदन करते हुए राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम की कार्ययोजना और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के प्रदेश सचिव गिरीश पालीवाल ने प्रदेशभर में चल रहे साहित्यिक आंदोलन की जानकारी दी। अध्यक्षीय उद्बोधन में वरिष्ठ साहित्यकार अनिल सक्सेना 'ललकार' ने कहा "भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया आपस में जुड़े हुए सूत्र हैं। यदि साहित्य समाज की आत्मा है तो मीडिया उसका दर्पण है। आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि साहित्य और पत्रकारिता मिलकर समाज को सही दिशा देने का कार्य करें। भाषा संवर्द्धन, साहित्यिक चेतना और सामाजिक सुधार के लिए साहित्यकारों और पत्रकारों की संयुक्त भूमिका आवश्यक है।" उन्होंने अपने साहित्यिक आंदोलनों, भाषा उन्नयन और संस्थाओं के गठन के प्रयासों पर विस्तार से जानकारी देते हुए मीडिया एक्शन फोरम जैसे मंच की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि दिनेश श्रीमाल ने अपने आशीर्वचन में प्रेरणादायी जीवन प्रसंग साझा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को सही मार्गदर्शन मिलता है। दिनेश पंचाल 'पंछी' ने अनिल सक्सेना जी के पूर्व प्रवास और डूंगरपुर में किए गए साहित्यिक प्रयासों का स्मरण करते हुए कहा कि वागड़ की साहित्यिक परंपरा गौरवशाली है और इसे आगे बढ़ाने का दायित्व सबका है। उपेन्द्र अणु ने गरिमामय लेखन को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बताया। प्रतिज्ञा भट्ट ने देशभक्ति काव्य प्रस्तुत कर मंच की सार्थकता को रेखांकित किया। गोपाल पालीवाल ने युवा साहित्यकारों की सामाजिक सक्रियता पर जोर देते हुए कहा कि नई पीढ़ी साहित्य और मीडिया को सार्थक दिशा दे सकती है। काव्य पाठ के क्रम में कवि दिनेश प्रजापति ने वागड़ी भाषा की रचना "ऊना पाड़ी में हाथ कोण नाके" प्रस्तुत कर स्थानीय बोली की जीवंतता को सामने रखा। कवि विपुल विद्रोही ने साहित्य और भाषा की गरिमा पर सारगर्भित विचार रखे। इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन किया गया। इनमें डॉ. प्रीति चौबीसा की पुस्तक "आदिकालीन एवं भक्ति कालीन काव्य" तथा अनिल सक्सेना 'ललकार' की पुस्तक "राजस्थान का साहित्यिक आंदोलन" शामिल रही। डॉ. चौबीसा की ग़ज़ल और नैतिक जैन की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। परिचर्चा सत्र में ऋषि दवे ने मंच की अपेक्षाएँ और उद्देश्य स्पष्ट करने का आग्रह किया। डायालाल गामोट ने साहित्य को फूहड़ता से बचाकर उद्देश्यपूर्ण बनाने का आह्वान किया। शीला गामोट ने हिंदी भाषा के पठन और मौलिक अभिव्यक्ति का महत्व बताया। देशी दबंग और अनामिका पंड्या ने मीडिया की सामाजिक भूमिका पर विचार रखे। युवा कवि नैतिक जैन ने देशभक्ति की कविता प्रस्तुत की। वागड़ की लोक संस्कृति का रंग तब गहराया जब लोकगायक देवराम कटारा एण्ड पार्टी ने अकाल कालीन देव-स्तुति और पारंपरिक लोकगायन प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुति वास्तव में वागड़ की पौराणिक सांस्कृतिक श्रेष्ठता का परिचायक रही। कवि भूपेंद्र देवला ने वागड़ साहित्य के महत्व और सशक्त प्रयासों की चर्चा की। वागड़ क्षत्रिय महासभा और पत्रकारिता संयोजकों ने इस साहित्य-मीडिया मंच को स्थानीय मीडिया की आवाज़ बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर ज्योति गामोट, जितेन्द्र मेघवाल, हितेश पंड्या, धनेश्वर पंड्या, वैभव गामोट, मणिलाल पंड्या और राजेश पंड्या ने भी अपने विचार साझा किए। अंत में आभार ज्ञापन अशोक गामोट ने किया, जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन साहित्यकार देवी लाल जोशी ने किया। इस बौद्धिक परिचर्चा ने न केवल साहित्य और मीडिया की दिशा तय करने का प्रयास किया, बल्कि भारतीय संस्कृति और वागड़ की लोक परंपरा को भी नई ऊर्जा प्रदान की।